स्वच्छता शपथ

महात्मा गांधी ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था जो ना केवल स्वतंत्र हो बल्कि स्वच्छ और

विकसित भी हो ।

हमारा कर्तव्य है कि गन्दगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें।

मैं शपथ लेता हूँ कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूँगा और उसके लिए समय दूंगा।

हर वर्ष घंटे यानि हर सप्ताह घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूँगा।

मैं न गन्दगी करूँगा, न किसी और को करने दूंगा।

सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मोहल्ले से मेरे गांव / शहर से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरुआत करूँगा।

मैं यह मानता हूँ कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहां के नागरिक गन्दगी नहीं करते और न ही होने देते हैं।

इस दृढ विचार के साथ में गांव कस्बों और शहरों में स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूँगा।

मैं आज जो शपथ ले रहा हूँ, वह अन्य १०० व्यक्तियों से भी करवाऊंगा।

वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए १०० घंटे दै. इसके लिए प्रयास करूँगा।

मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।